वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 62 | बुधवार 26 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

देश और प्रदेश की उन्नति में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण शिक्षित और समृद्ध प्रदेश के निर्माण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

बेटियों के साथ बेटों को भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर प्रदान करेगी राज्य सरकार

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश और प्रदेश की उन्नति में युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है तथा राज्य सरकार आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प के अनुरूप युवा शक्ति के उन्नयन के साथ शिक्षित और समृद्ध प्रदेश के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मण्डल से मुलाकात के दौरान सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि इस देश में युवा, महिला, किसान, गरीब जैसे चार वर्ग हैं, जिनके उत्थान के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत आरक्षण करने से प्राथमिक स्तर पर हमारे बच्चों की नींव मजबूत होगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार बेटियों के साथ बेटों को भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी परिवर्तित बजट में युवाओं के कल्याण तथा सशक्तिकरण के लिए विभिन्न निर्णयों का समावेश किया जाएगा। इस अवसर पर युवाओं ने विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने, रोजगार के लिए विशेष अभियान, खेल सुविधाओं का विस्तार, महिला सुरक्षा, परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने, भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार सहित विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि छात्र संगठनों को युवाओं की समस्याओं को उजागर करने के साथ-साथ उनके समाधान का भी माध्यम बनना चाहिए। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ युवा सशक्तिकरण व छात्र कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इससे पहले संगठन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर ध्येय यात्रा पुस्तक भेंट की। इस दौरान राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मौजूद थे।

विधायक आवास परिसर में सुविधाओं का विस्तार

विधानसभा अध्यक्ष ने बैंक एटीएम, सहकारी उपभोक्ता संघ, सरस डेयरी और चिकित्सालय का उद्घाटन किया आवश्यकतानुसार सुविधाओं का निरंतर होगा विस्तारः विधानसभा अध्यक्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को यहां विधायक आवास परिसर में बैंक एटीएम ई-कॉर्नर, सहकारी उपभोक्ता संघ, सरस डेयरी और चिकित्सालय का उद्घाटन संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, सहकारिता राज्यमंत्री गोतम कुमार, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधानसभा के सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग की मौजूदगी में किया। विधायक आवास परिसर में सुविधाओं का निरंतर विस्तार- विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि विधायक आवास परिसर में लगभग 125 विधायकगण और उनके परिजन निवास कर रहे है। परिसर में यहां के निवासियों की आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाओं

का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। एसबीआई बैंक एटीएम का ई-कॉर्नर, सहकारी उपभोक्ता संघ का विविध वस्तु भण्डार, सरस डेयरी का पार्लर और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के लिये शहरी स्वास्थ्य केन्द्र का शुभारम्भ किया गया है। भविष्य की आवश्यकतानुसार अन्य सुविधाओं का भी समयानुसार विस्तार किया जाएगा। देवनानी ने कहा कि चिकित्सालय में वर्तमान में ऐलोपेथी और होम्योपैथी चिकित्सकों की व्यवस्था की गई है। भविष्य में जरूरत के अनुरूप आयुर्वेद चिकित्सकों की भी यहां सुविधा उपलब्ध करवाई जायेगी। चिकित्सालय का समय भी आवश्यकतानुसार बढाया जायेगा। परिसर में एक समिति का गठन किया गया है, जो यहां निवास कर रहे लोगों की समस्याओं का समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि परिसर की सुरक्षा के भी पुख्ता प्रबंध किये गये है। यहां रहने वाले विधायकगण, उनके परिजन और उनके अतिथिगण की सुविधा और सुरक्षा के इंतजाम किये गये हैं। सबको साथ लेकर चलेंगे- देवनानी ने कहा कि विधानसभा के आगामी सत्र में सभी को साथ लेकर चलने के बेहतर प्रयास किये जायेंगे।

लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान समारोह : आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में काली रात

लोकतंत्र सेनानियों ने अपने त्याग और संघर्ष से बचाया लोकतंत्रः मुख्यमंत्री शर्मा

मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों का व्यक्तिगत रूप से किया सम्मान। राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि अधिनियम लेकर आएगी राज्य सरकार

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में आपातकाल एक काली रात के रूप में जाना जाता है। 25 जून, 1975 को तत्कालीन सरकार ने देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र का दम घोट दिया था। ये आपातकाल 21 माह तक चला और भारतीय लोकतंत्र पर कभी न मिटने वाला धब्बा छोड़कर चला गया। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित मीसा बंदी लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र के उस कठिन दौर में लोकतंत्र सेनानियों ने अपने अदम्य साहस और संघर्ष के साथ लोकतंत्र की ज्योति को प्रज्वलित रखा। इन महान विभूतियों ने निरंकुश सत्ता के विरूद्ध संघर्ष किया, जेल की यातनाएं सही, प्रताड़नाओं का सामना किया, मगर अपना सिर नहीं झुकाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल के दौरान नागरिकों के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए। प्रेस पर सेंसरशिप लागू की गई, राजनीतिक विरोधियों को बिना मुकदमे के जेल में डाल दिया गया और कई प्रकार की नागरिक स्वतंत्रताएं प्रतिबंधित कर दी गई। शर्मा ने कहा कि विरोध प्रदर्शनों को भी बल पूर्वक दबाया गया। लाठी चार्ज, गिरफ्तारियां और यातनाएं देने जैसे काम किए गए। मगर लोकतंत्र के रखवालों ने अपने संघर्ष को जारी रखा।

मुख्यमंत्री ने दिखाई सहृदयता

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सहृदयता और संवेदनशीलता से यह समारोह यादगार बन गया। शर्मा ने जब देखा कि प्रत्येक लोकतंत्र सेनानी अपना सम्मान उनके ही हाथों से करवाना चाहते हैं, तो उन्होंने सहृदयता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सभी को व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया। करीब 5 घण्टे तक लगातार मंच पर खड़े रहकर उन्होंने सभी सेनानियों को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस दौरान कई भावुक क्षण भी आए, जब मुख्यमंत्री ने बुजुर्ग लोकतंत्र सेनानियों के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया तथा व्हील चेयर पर आए लोकतंत्र सेनानियों को मंच से उतरकर सम्मानित किया। शर्मा की इस संवेदनशीलता को देखकर समारोह में आए सभी लोकतंत्र सेनानी गदगद हो उठे।

लोकतंत्र सेनानियों के प्रति संवेदनशील राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र और लोकतंत्र सेनानियों के प्रति संवेदनशील राज्य सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बंद की गई राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि-2008 को

बहाल कर दिया है। लोकतंत्र सेनानियों को अब 20 हजार रुपये मासिक पेंशन और 4 हजार रुपये की मासिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। यही नहीं, सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि लोकतंत्र सेनानियों को भविष्य में निर्बाध रूप से पेंशन मिलती रहे। इसके लिए सरकार राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि अधिनियम लेकर आ रही है। शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों का साहस और बलिदान देश के इतिहास में हमेंशा स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। लोकतंत्र के प्रति उनका समर्पण और त्याग आने वाली पीढ़ियों को हमेंशा प्रेरणा देता रहेगा। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्य विधानसभा में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री कृष्ण कुमार के.के. विश्नोई, सांसद घनश्याम तिवाड़ी व राजेन्द्र गहलोत सहित जनप्रतिनिधि एवं राज्य के सभी जिलों से आए 1 हजार से अधिक लोकतंत्र सेनानी एवं उनके परिजन मौजूद रहे।

मुनि अनुपम सागर जी महाराज जी, मुनि यतीन्द्र सागर जी महाराज ससंघ का आज धर्म नगरी ब्यावर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। परम पूज्य आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्री 108 श्री अनुमप सागर जी महाराज ससंघ का धर्म नगरी ब्यावर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। श्री दिगंबर जैन समाज के मीडिया प्रभारी अमित गोधा ने बताया की आज प्रातः विक्रांत होटल भगत चोराहा पर से भव्य स्वागत किया गया। जुलूस सरावगी मोहल्ला पांच बत्ती से अजमेरी गेट से श्री दिगंबर जैन पंचायती नसिया पहुचा। जुलूस में आचार्य श्री विद्या सागर पाठ शाला के बालक व बालिकाओं द्वारा बेड बाजे की मधुर ध्वनि द्वारा स्वागत किया गया। मुख्य बाजारों में मुनि संघ का श्रावको द्वारा पाद पक्षालन किया गया है। सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया उसके बाद मुनि श्री का रजत कलशों से पाद प्रक्षालन किया गया, इसके बाद श्री दिगम्बर जैन पंचायती नसिया स्वर्ण जयंती महोत्सव व मानसतम्भ में श्री जी विराजमान करने की पत्रिका का विमोचन शकुंतला देवी विकल कासलीवाल प्रवीणा जैन जम्बू कुमार राँवका सुमन धगड़ा सुभाष कटारिया लादूलाल जैन अशोक काला दिनेश अजमेरा खेमराज बाकलीवाल के द्वारा किया गया

दिगम्बर जैन पंचायती नसिया जी मे देव दर्शन किये उसके बाद सभा का प्रारंभ दीप प्रज्वलन चित्र अनावरण किया गया। उसके बाद मुनि श्री का प्रवचन दिया। इस कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष अशोक काला, उपाध्यक्ष विजय फागीवाला सचिव दिनेश अजमेरा सहसचिव विकल कासलीवाल शाशि कांत गदिया अमित गोधा अतुल पाटनी श्री पाल अजमेरा राजकुमार पहाड़िया कमल राँवका संदीप पाटनी महेंद्र सोनी,पारस कासलीवाल सुदेश पाटनी कल्पेश जैन नितिन छाबड़ा संजय राँवका रितेश फागीवाल मनोज कासलीवाल अनिल कटारिया सुशील बड़जात्या जम्बू कुमार रावका रूप चन्द छाबड़ा श्रेणिक छाबड़ा नवीन बाकलीवाल मनोज कासलीवाल सुनील राँवका वीरेंद्र गोधा मनोज सोगानी कैलाश बड़जात्या टीकम कासलीवाल राजेश रावका राजेन्द्र गोधा सहित श्री दिगम्बर युवा मंडल विराग मंडल श्री दिगम्बर जैन महा समिति श्री आदिनाथ मंदिर कमेटी पार्श्वनाथ मंदिर कमेटी महिला मंडल ज्ञानोदय मण्डल पार्श्वनाथ महिला मण्डल दिगंबर जैन महिला महासमिति सहित सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रावक व श्राविकाओ ने जुलुस में भाग लिया। शाम को गुरू भक्ति वह आरती का कार्यक्रम की गई ।

वेद ज्ञान

संपूर्ण व्यक्तित्व

अपने सम्मान के बजाय अपने चरित्र के प्रति अधिक गंभीर रहें। आपका चरित्र ही यह बताता है कि आप वास्तव में क्या हैं। आज एक संपूर्ण व्यक्तित्व की जरूरत है। व्यक्ति में तीन प्रकार की क्षमताएं होती हैं-सहज, अर्जित और ओढ़ी हुई। सहज क्षमता किसी-किसी में होती है। सहज क्षमता जिसमें होती है उसका व्यक्तित्व काफी अंशों में पूर्ण होता है। वह जो कुछ सोचता है, उसे उसी रूप में निष्पन्न कर लेता है। कार्य की निष्पत्ति के लिए न तो निरर्थक दौड़-धूप करनी पड़ती है और न ही वह किसी अवसर को खो सकता है। सहज-समर्थ व्यक्ति अपने काल को इतना उजागर कर देता है कि शताब्दियों-सहस्राब्दियों तक वह युग के चित्रपट पर मूर्तिमान रहता है। कुछ व्यक्ति ऐसे होते हैं जो बहुत ही साधारण व्यक्तित्व लेकर इस धरती पर आते हैं, किंतु अपने पुरुषार्थ से चमक जाते हैं। उन्हें व्यक्तित्व-विकास के लिए जो भी अवसर मिलता है, वे मुक्तभाव से उसका उपयोग करते हैं। इनकी क्षमता अर्जित होती है, फिर भी कालांतर में वह स्वाभाविक-सी बन जाती है। ऐसे व्यक्ति भी अपने समाज और देश को दुर्लभ सेवाएं दे सकते हैं। इसीलिए ऐसे व्यक्तियों केलिए विद्वान डोनाल्ड एम नेल्सन को कहना पड़ा कि हमें यह मानना बंद कर देना चाहिए कि ऐसा कार्य जिसे पहले कभी नहीं किया गया है, उसे किया ही नहीं जा सकता है। तीसरी पंक्ति में वे व्यक्ति आते हैं जिनके पास न तो सहज क्षमता होती है और न वे क्षमता का अर्जन ही कर पाते हैं, किंतु स्वयं को सक्षम कहलवाना चाहते हैं। कोई दूसरा उन्हें मान्यता दे या नहीं, वे अपने आप महत्वपूर्ण बन जाते हैं। इस आरोपित क्षमता से कभी कोई विकास हो, संभव नहीं लगता। ओढ़ी हुई क्षमता वाले व्यक्ति या नेता गरिमापूर्ण दायित्व को ओढ़कर भी उसको निभा नहीं सकते। इसलिए उन्हीं व्यक्तियों का इस क्षेत्र में आना या लाना उचित रहता है जो सहज या अर्जित क्षमता से संपन्न होते हैं। विचारक जॉन वुडन ने कहा भी है कि अपने सम्मान के बजाय अपने चरित्र के प्रति अधिक गंभीर रहें। आपका चरित्र ही यह बताता है कि आप वास्तव में क्या हैं, जबकि आपका सम्मान केवल यही दर्शाता है कि दूसरे आपके बारे में क्या सोचते हैं। कोई आज छाया में इसलिए बैठा हुआ है, क्योंकि किसी ने काफी समय पहले एक पौधा लगाया था।

संपादकीय

अब जनता के साथ किए गये वादों को पूरा करने का वक्त

अठारहवीं लोकसभा की औपचारिक शुरूआत के साथ उम्मीद यही की जाएगी कि नए संसद सदस्यों ने चुनावों के दौरान जनता के सामने जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करने और देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने के लिए वे अपनी ओर से सब कुछ करेंगे। सोमवार को पहले सत्र में नए सांसदों के शपथ लेने और बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के बाद गुरुवार को राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। इसके बाद तीन जुलाई तक चलने वाले इस सत्र में फिलहाल परीक्षा में नकल के रोग, धांधली और सुर्खियों में आए कई जरूरी मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव के आसार बन रहे हैं। जाहिर है, संसद में जनता से जुड़े मुद्दों पर बातचीत या बहस एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को ही आगे बढ़ाएगी, मगर साथ ही यह अपेक्षा होगी कि ऐसी बहसें किसी ऐसे बेमानी टकराव का रुख न अख्तियार करे, जिसमें मुख्य सवाल शोर में गुम हो जाएं और समस्याओं का कोई ठोस हल न निकले। दरअसल, पिछली लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव जिस स्तर तक चला, उसमें ऐसे अवसर कम आए, जिसमें जनहित के मुद्दों पर सार्थक बहस हो और किसी मसले पर सामने आए हल में सबकी भागीदारी दिखे। ऐसी शिकायतें कई बार उभरीं जिसमें असहमति के स्वर तीखे होने के बाद विपक्ष ने सदन का बहिर्गमन किया और कई मुद्दों और विधेयकों पर पर्याप्त बहस नहीं हो सकी। इस बार संख्या बल की कसौटी पर विपक्ष बेहतर स्थिति में है और दोनों पक्षों का जिस तरह का ढांचा खड़ा हुआ है, उसमें स्वाभाविक ही पिछली लोकसभा के मुकाबले ज्यादा संतुलन दिखने की संभावना है। मगर जरूरी यह है कि किसी मुद्दे पर असहमति ऐसे टकराव में न तब्दील हो जिसमें उससे जुड़े अलग-अलग पहलू पर चर्चा न हो सके। यह छिपा नहीं है कि किसी सदन में जिन मसलों पर सदस्यों के बीच व्यापक बहस की जरूरत होती है, वह कई बार इसलिए संभव नहीं हो पाती है कि हंगामे के नतीजे में सदन को बार-बार स्थगित किया जाता है। सवाल है कि जनता ने जिन्हें अपना प्रतिनिधि चुन कर संसद में भेजा है, अगर वे वहां किसी भी वजह से जनहित के मुद्दों पर बात नहीं कर पाते हैं तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है। लोकतंत्र का बुनियादी मूल्य यही है कि विधायिका जनता का प्रतिनिधित्व करती है और वहां उसके व्यापक हित में ही काम होना चाहिए। यह तभी संभव है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष संसद में अपनी-अपनी जवाबदेही को गंभीरता से लें। महज असहमति की वजह से एक-दूसरे को खारिज करके देश के आम लोगों का भला नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से राष्ट्रीय स्तर पर कोई समस्या खड़ी होती है, तो उसका हल निकालना सरकार की जिम्मेदारी है और विपक्ष का यह दायित्व है कि वह इस मसले पर अपना वाजिब लोकतांत्रिक हस्तक्षेप करे।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अब कसेगी नकेल

सरकार ने पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 लागू कर दिया है। इस एंटी-पेपर लीक कानून के तहत पेपर लीक या उत्तर-पुस्तिका से छेड़छाड़ करने पर कम से कम तीन साल की सजा होगी जिसे दस लाख तक के जुर्माने के साथ बढ़ा कर पांच साल तक भी किया जा सकता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चार महीने पहले ही लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 को मंजूरी दे चुकी थीं। इस कानून का उद्देश्य यूपीएससी, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाओं और एनटीए द्वारा आयोजित अन्य तमाम परीक्षाओं में अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकना है। इस तरह के संगठित अपराध में शामिल लोगों पर अब न्यूनतम एक करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। इस कानून से पहले राज्यों में नकल रोकने और परीक्षा में किसी भी तरह की धांधली को रोकने संबंधी कानून बनाए गए हैं। ओडिशा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात और उत्तराखंड में ऐसे कानून हैं। हालांकि ये उस तरह के नतीजे देने में असफल रहे हैं, जिनके बलबूते परीक्षाओं को पारदर्शी बनाया जा सके। इस नये कानून द्वारा परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था के प्रमुख और सदस्यों को लोक सेवक माना जाएगा ताकि उनके खिलाफ अपराध के साथ ही भ्रष्टाचार का मामला भी चलाया जा सके। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं पर उठने वाली उंगलियों के कारण युवाओं का भरोसा लगातार टूट रहा है। बार-बार परीक्षा प्रणालियों पर संदेह और उनकी पारदर्शिता धूमिल पड़ने के चलते प्रतियोगियों में निराशा व्याप्त होती जा रही है। चूंकि अब यह संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में आ गया है, इसलिए कोई भी पुलिस अधिकारी बगैर वारंट भी अपराधी को गिरफ्तार कर सकता है।

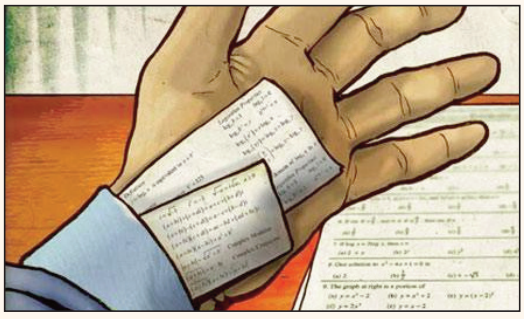

भले ही यह फैसला लेने में सरकार ने काफी ढिलाई बरती है लेकिन देर आयद दुरुस्त आयद क्योंकि उच्च शिक्षा या नौकरी के लिए परीक्षार्थियों का समूचा भविष्य ही दांव पर लगा होता है। परीक्षाओं में धांधली होनहार युवाओं को नैतिक तौर पर बुरी तरह तोड़ देती है। हालांकि सख्त कानून बनाने में वक्त लगता है। विशेषज्ञों की राय और विभिन्न दृष्टिकोणों से इसे उस सख्ती से लागू किया गया ताकि भविष्य में इस तरह का कोई संकट ही न खड़ा हो सके। साथ ही, इस तरह के अपराधियों पर लगाम कसी जा सके। देखा जाना है कि कानून सख्त किए जाने के बाद पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों पर नकेल कसने में हम किसने सफल होते हैं।

मंत्र योग से अंतरंग ऊर्जा जागृत होती है: योगभूषण महाराज

लद्दाख. शाबाश इंडिया

दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21 जून 2024 को विश्व की सबसे ऊँची चोटी पर स्थित खारे पानी की झील पैंगोंग लेक पर योग साधना का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। 8 डिग्री सेल्सियस की ठंडी हवा के बावजूद भी हजारों लोगों ने इस अनूठे कार्यक्रम में भाग लिया और योग साधना का अभ्यास किया। इस विशेष कार्यक्रम के मुख्य आयोजक भिक्खु संघसेना, अध्यक्ष (महाबोधि इंटरनेशनल योगा एंड मेडीटेशन सेंटर, लेह) के नेतृत्व में इस अद्वितीय आयोजन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। इस आयोजन में भारतीय सेना, लेह-लद्दाख का भी सहयोग रहा, जिन्होंने इस विशेष कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम के विशेष आमंत्रित अतिथि जैन संत मंत्र महर्षि (डॉ.) श्री योग भूषण जी महाराज ने मंत्र योग का अभ्यास करवाते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह आत्मा और मन की शुद्धि का माध्यम है। मंत्र योग से हम अपने भीतर की ऊर्जा को जागृत कर सकते हैं और जीवन में सकारात्मकता ला सकते हैं। इस अवसर पर सर्व धर्मों के प्रमुख संत भी उपस्थित थे, जिनमें प्रमुख रूप से गोस्वामी श्री सुशील जी महाराज (राष्ट्रीय संयोजक, भारतीय सर्वधर्म संसद) शामिल थे। उन्होंने योग के महत्व और उसकी सार्वभौमिकता पर अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर भिक्खु संघसेना ने कहा कि यह आयोजन योग की शक्ति और उसकी सार्वभौमिकता को दशार्ता है। पैंगोंग लेक की ठंडी और शांत वादियों में योग का अभ्यास एक आध्यात्मिक अनुभव था जिसने सभी को एक नई ऊर्जा और शांति का अनुभव कराया। गोस्वामी श्री सुशील जी महाराज ने कहा कि योग एकता का प्रतीक है। यह आयोजन दिखाता है कि कैसे योग सभी धर्मों और संस्कृतियों को जोड़ता है। उल्लेखनीय है कि यह आयोजन केवल योग साधना तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि यह सभी धर्मों और संस्कृतियों के लोगों को एक मंच पर लाने का भी एक प्रयास था। इस ऐतिहासिक आयोजन ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को एक नई ऊँचाई पर पहुंचाया है।

विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

मकरोनिया. शाबाश इंडिया। जैन महिला मिलन नेहनगर के तत्वावधान में दिनांक 25 जून 2024 दिन मंगलवार को जैन धर्मशाला में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जैन मिलन की वीरांगनाओं ने रक्तदान किया । इस कार्यक्रम में विशेष रूप से जो लोग उपस्थित रहे उनमें रक्तवीर समीर जैन संस्थापक अध्यक्ष रक्तदान महादान ग्रुप सागर ,क्षेत्रीय अध्यक्ष वीर अरुण चंदेरिया , क्षेत्रीय संजोयक वीर मनीष शास्त्री विद्यार्थी , राष्ट्रीय संयोजिका वीरांगना संगीता चंदेरिया जैन ,संरक्षिका किरण जैन । इस रक्तदान शिविर में जिन्होंने रक्तदान किया उनमे प्रमुख रूप से अध्यक्ष वीरांगना ऋतू जैन , सचिव वीरांगना शालिनी (स्वाति) जैन ,अनीता जैन , रागिनी जैन,राखी जैन , रोबिन बात्सल्य , बबिता जैन ,मनीष जैन , कोषाध्यक्ष वीरांगना संध्या जैन , वीर मनीष जैन , मनीष सेठ सहित अनेक लोगो ने रक्तदान किया एवं उपस्थित रहे ।इस रक्तदान शिविर में जिला अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ महेश जैन , गोविन्द सहित अस्पताल की टीम उपस्थित रही ।वीरांगना अनीता जैन ने जानकारी देते हुए बताया की जब हम महिलाये होकर रक्तदान कर रहे है तो समाज के बाकी लोगो को भी रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए । रक्तदान करने से कोई नुकसान नहीं होता है । सचिव वीरांगना शालिनी जैन ने रक्तदान करने के फायदे के बारे में बताया। उन्होंने रक्तदान करते हुए बताया कि रक्तदान करके हम किसी जरूरतमंद की मदद ही कर रहे है। अंत में महिला जैन मिलन नेहानगर की अध्यक्ष वीरांगना ऋतू जैन ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान करने से कोई कमजोरी नहीं आती है और निरंतर रक्तदान करने से बहुत सी बड़ी बीमारियो से बचा जा सकता है। **रिपोर्ट : जर्नलिस्ट मनीष विद्यार्थी सागर**

शरीर व मन को संतुलित करता है योग– वन स्टॉप सेंटर (सखी)

उदयपुर. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र पुलिस थाना हिरण मगरी सेक्टर क्यू 6 उदयपुर, संचालक संस्था शिशु एवं मातृ सेवा संस्थान, जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग उदयपुर के तत्वावधान में विश्वेश्वरैया फाउंडेशन तुलसी निकेतन सेक्टर–4 पर महिलाओं पर होने वाली घरेलू हिंसा एवं योग के लिए जागरूक किया गया। केंद्र की विधिक परामर्शदाता दीपिका वैष्णव में बताया महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा होने पर वह केंद्र से मदद ले सकती हैं। केंद्र समझाइश, कानूनी सहायता, पुलिस सहायता में मदद करता है। तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर महिलाओं को बताया कि योग एक रास्ता है जो हमें हमारे असली स्वभाव के साथ जोड़ता है। योग न केवल आसनों का अभ्यास है, यह एक जीवन शैली है जो शरीर और मन को संतुलित करती है तथा योग के लाभ को बताते हुए उसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए जागरूक किया। इसी दौरान वन स्टॉप सेंटर (सखी) पर योग दिवस मनाया गया। इस दौरान केन्द्र प्रबन्धक किरण पटेल, रेखा जीनगर, उमा तुर्किया, तारा डामोर, ललिता पूर्बिया, गंगा कुंवर, शांता चौबीसा, लक्ष्मीदेवी, ज्योति और गुड्डी भी मौजूद थीं।

सुख आत्मा का स्वभाव है: स्वस्तिभूषण माताजी

केशवरायपाटन. शाबाश इंडिया

परम पूजनीय भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 स्वस्ति भूषण माताजी ने सुख के स्वभाव के विषय में बताया कि सुखी कौन है? सुख किससे प्राप्त होता है? अच्छे मकान अच्छे वस्त्र अच्छे भोजन से आदि से यदि सुख प्राप्त होता है तो भगवान के पास इनमें से कुछ भी नहीं है । फिर भगवान सुखी हैं या दुःखी? आपके पास अगर खुद का मकान नहीं है तो कितने दुःखी रहते हैं। हर समय मन में चलता रहता है कि मेरा खुद का मकान नहीं है । सुख आत्मा का स्वभाव है जैसे रसगुल्ला खाने पर स्वाद जिव्हा को तो आया लेकिन भोग करने वाली तो आत्मा ही है। देखने के लिए आँख स्वाद के लिए जिव्हा ये सब तो माध्यम हैं। आत्मा का स्वभाव है सुख इसलिए हर समय सुख चाहती है और दुःख से डरती है। एक होता है डायरेक्ट सुख एक होता है इंडायरेक्ट सुख। जिव्हा ने रसगुल्ला खाया सुख आत्मा ने लिया कौन सा सुख है? इंडायरेक्ट । आँख ने टी वी देखी सुख मिला आत्मा को कौन सा सुख हुआ? इंडायरेक्ट! यह सब भोगने वाली आत्मा है इसलिए कर्म का बंध भी आत्मा को होता है! पांचो इन्द्रियों के माध्यम से जो भोग किया जाता है सुख लिया जाता है वह इंडायरेक्ट सुख है। और जिसमें इन सब चीजों की आवश्यकता ना पड़े और सुखी हो जाओ तो वह कहलाता है डायरेक्ट सुख! अगर संसारी वस्तुओं में सुख होता तो भगवान इन संसारी वस्तुओं को छोड़कर जंगल में नहीं जाते। लेकिन भगवान ने कहा संसारी सुख क्षणिक सुख हैं! इस संसारी सुख के साथ ही दुःख भी चलता है इसलिए भगवान ने जंगल में जाकर ध्यान किया तप किया! हम प्रतिदिन मंदिर में जाते हैं भगवान से कौन सा सुख मांगते है डायरेक्ट सुख या इंडायरेक्ट सुख? इंडायरेक्ट सुख तो कमाना पड़ता है मेहनत करना पड़ता है लेकिन डायरेक्ट सुख पाने के लिए तो हाथ पर हाथ रखो पाँव पर पाँव रखो और ध्यान के माध्यम से सुख की अनुभूति कर लो! हम मंदिर में आये मंदिर में भगवान को देखकर भी हमने आंकलन नहीं कर पाया की भगवान इतने सुखी क्यों हैं और हम इतने दुःखी क्यों है तो अभी हम मंदिर आये ही नहीं है। भगवान वीतरागी हो गये हैं हम रागी है यही उनके सुख और हमारे दुःख का कारण हैं। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

ललित कला अकादमी जयपुर के पदाधिकारी ने किया अवलोकन

अजमेर. शाबाश इंडिया

विद्यासागर तपोवन क्षत्रिय योजना वैशाली नगर में संचालित स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम का आज ललित, कला अकादमी के रजनीश हर्ष सचिव व राजकुमार जैन ने अवलोकन कर मार्गदर्शन दिया कार्यक्रम के संयोजक मनोज मोडासिया ने अतिथियों का अभिनंदन किया रूपश्री जैन ने बताया कि संख्या बढ़ती जा रही है आज विशेष रूप से फोटोग्राफी सेशन मे जिसको जाने-माने फोटोग्राफर दीपक शर्मा ने अभ्यर्थियों प्रशिक्षण दिया दिगंबर जैन महा समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश पाटनी ने शिविर की प्रशंसा करते हुए केंद्र को भी निर्देशित किया कि इस प्रकार के स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम सभी जगह संचालित होने चाहिए कार्यक्रम में अनुभा बाकलीवाल सुनीता गंगवाल रिंकू जैन शैली जैन सभी प्रशिक्षकों का अभिनंदन किया साधना जी दनघसिया योगा, श्वेता कटारिया डांस मीना दोषी इंग्लिश स्पीकिंग संजय सेठी राजस्थानी मांडना अंजलि ब्यूटी के क्षेत्र में एवम मेहंदी में पिंकी ने सभी की फैकल्टी में आज प्रशिक्षण थी की संख्या अधिक रही राजेंद्र पाटनी विनय गदीया अनील गंगवाल का सहयोग रहा।

तीये की बैठक

हमारे पूज्य आदरणीय बाऊजी

श्री ताराचंद जी पाटनी साहब

(पुत्र स्व. श्री सूरजमल जी पाटनी)

का देवलोकगमन 23.06.2024 हो गया है। तीये की बैठक 26.06.2024, बुधवार को प्रातः 9.00 बजे पार्श्वनाथ पार्क, बी-21, गणेश मार्ग, बापू नगर पर होगी।

: शोकाकुल :

दिव्य-सीमा, संजय-बबीता, अभय-ममता पाटनी (पुत्र पुत्रवधु), मृदुला-जयन्त कटारिया, शारदा-नरेंद्र बिलाला (पुत्री दामाद), रिषभ-प्रियंका, गर्वित-ख़ुशहाली, राहुल-सौम्या पाटनी (पौत्र-पौत्रवधु) प्रियंका-शालीन, रिशिका-राहुल, ख़ुशबू-सुमित, यवनिका-अभिषेक (पौत्री-दामाद) मुनमुन (पौत्री), रित्विका, पार्शवी (पड़पौत्री), गौरव-पूजा कटारिया (दोहता-बहू), शीनू (दोहती)

ससुराल पक्ष: महेश, तरुण, अरुण, रितेष छाबड़ा

मैसर्स पाटनी स्टील्स प्राईवेट लिमिटेड, 9352722022 / 24 / 26

स्वर्ण जयंती शुभारंभ समारोह : दोस्ती से सेवा की ओर प्रारंभ : जुटे 500 वीर-वीरा...

उदयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल रीजन 4 के तीन संभागों डुंगरपुर बांसवाड़ा, उदयपुर एवं राजसमंद के 500से अधिक वीर वीराओ ने भुवाणा उदयपुर में एवरेस्ट रिसॉर्ट मे जुट कर महावीर इंटरनेशनल के स्वर्ण जयंती शुभारंभ समारोह में सेवा कार्यों का प्रेजेंटेशन दिया । महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने बताया की समारोह का नाम दोस्ती से सेवा की और दिया गया है तथा इसका निर्देशन अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौतम राठौड़ ने किया हैं। वागड़ जोन डूंगरपुर बांसवाड़ा से आयोजन मे 22 केंद्रों के 108वीर वीराओ ने हिस्सा लिया रहे हैं। आयोजन मे एक सेवा आधारित लघु नाटिका कपड़े की थैली मेरी सहेली तथा सुकून की छांव का मंचन किया गया तथा 50 वर्षो मे महावीर इंटरनेशनल द्वारा संपादित सेवा कार्यों का पीपीटी प्रेजेंटेशन किया गया। डडूका केंद्र से अजीत कोठिया, सुंदरलाल पटेल, सूरजमल अहारी तथा गढ़ी परतापुर से रामभरत चेजारा, अनिता चेजारा, मानसी कुमावत, नमन कुमावत ने आयोजन में हिस्सा लिया। आयोजन मे वागड़ जोन से पृथ्वीराज जैन, अजीत कोठिया, सुरेश गांधी, विनोद दोसी, भुवनेश्वरी मांलोत, सुंदरलाल पटेल, मणिलाल सूत्रधार, सूरजमल अहारी, राजमल सोनी, दिलीप दोसी, सतीश जैन, महेश पंवार, डा आर के मालोत, जयंतीलाल जैन, पुष्पक जैन, विजय जैन, कल्पेश कोठारी, सहित कई वीर वीराओ ने शिरकत की।

सेवा को मूल मंत्र बनाएं, मानवाधिकार संगठन की संयुक्त बैठक

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया। पीड़ित मानवता की सेवा को जीवन का मूल मंत्र बनाएं। जहां भी सहयोग की जरूरत हो हर व्यक्ति को आगे आगे आकर जीव मात्र के प्रति सहृदयता अपनानी चाहिए। यह बात विश्व मानवाधिकार एसोसिएशन की जिला बांसवाड़ा की पुरुष व महिला वर्ग की संयुक्त बैठक में वक्ताओं ने कही। मन्दारेश्वर महादेव मन्दिर परिसर में हुई बैठक की मुख्य अतिथि हरिदेव जोशी कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ सरला पण्डया रही। अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय सलाहकार अरविन्द भट्ट ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ सुधा पण्डया व प्रमोद शाह रहे। आरम्भ में जिलाध्यक्ष विनोद पानेरी ने बैठक के उद्देश्य एवं संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। महिला जिलाध्यक्ष डॉ आशा मेहता ने किसान सम्मेलन एवं विधिक जागरूकता के प्रकल्प प्रारम्भ करने को कहा। ईश वंदना के साथ प्रारम्भ हुए कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने परिचय देते हुए संगठन के उद्देश्यों पर विचार व्यक्त किये। जिला मंत्री विपिन भट्ट ने आगामी सत्र की कार्य योजना प्रस्तुत की। इस मौके पर सज्जनगढ़ से हिम्मत पड़वाल, बागीदौरा से सुरेश गांधी, आनंदपुरी से पवन पाटीदार, गांगड़तलाई से प्रेमशंकर नट, अरथूना से कृष्णलाल पाटीदार, गढ़ी से कमलेश जैन सहित विभिन्न ब्लॉक अध्यक्षों का बहुमान किया गया। महिला वर्ग में कुशलगढ़ से मधुबाला राव, गढ़ी से दीपाली रोकड़िया, बांसवाड़ा से धर्मिष्ठा पण्डया, दक्षा उपाध्याय, शीतल पण्डया, मनीषा भट्ट, मुकुल शुक्ल का स्वागत किया गया। इस मौके पर प्रवीण सुथार, कीर्तिश कुमार, हीरालाल शर्मा, हिम्मतसिंह राव, दीपिका राव का उपरणा ओढाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन विपिन भट्ट ने किया। आभार कमलेश धिरावत ने व्यक्त किया। **-सुरेश चंद्र गांधी नौगामा बांसवाड़ा की रिपोर्ट**

पिस्तादेवी अग्रवाल की पुण्यतिथि पर सेवा कार्य कर श्रद्धांजली अर्पित की

जयपुर. शाबाश इंडिया। पिस्तादेवी अग्रवाल की पुण्यतिथि के अवसर पर नागरमल पिस्ता देवी मणकसिया चैरिटेबल ट्रस्ट ने मंगलवार को कई समाजोपयोगी कार्य किए। ट्रस्ट के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल व सचिव अरविन्द अग्रवाल ने बताया कि इस मौके पर सेठी कॉलोनी के सेटेलाइट हॉस्पीटल में हुए कार्यक्रम में डॉक्टर्स,कर्मचारी व ट्रस्ट परिवार ने ने पिस्तादेवी की मूर्ति के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद मरीजों व उनके परिजनों और आमजन को को वितरित की गई। इस दौरान पार्कों सहित अन्य स्थानों पर 500 से अधिक परिंडे बांधे गए। इस मौके पर पार्षद नीरज अग्रवाल,उपाध्यक्ष सुनील अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल व कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल,सह सचिव योगेश बिंदल व उनके परिजन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

श्री राजेश-श्रीमती सुनीता जी गंगवाल

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

26 जून' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका
सचिव: राजेश - रानी पाटनी
कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन
सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ का सेठी कॉलोनी में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ का मंगल विहार श्री 1008 दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी से प्रातः 5.30 बजे सेठी कालोनी जयपुर में हुआ। भक्तों ने आर्यिका संघ को गाजे-बाजे के साथ मंदिर जी में प्रवेश कराया। दर्शन के पश्चात अभिषेक, शांतिधारा करके भक्तगण हर्षाए। माताजी ने प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - जब मनुष्य के खराब दिन आते हैं, पाप के दिन आते हैं, तो पता नहीं, कर्मोदय कैसा हो जाता है, कैसी बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है? अच्छा व्यापार, अच्छा धन सब कुछ हाथ से छूट जाता है। जो मुश्किल से इतने सालों में नाम, धन-संपत्ति, ऐश्वर्य जो कुछ कमाया था, वह चंद दिनों में नष्ट हो जाता है। इसलिए हमेशा अच्छे कर्म करते रहे क्योंकि जैसा बीज हम बोयेंगे वैसा ही वृक्ष पल्लवित होगा। भगवान से ज्यादा कर्मों से डरिये क्योंकि भगवान तो एक बार माफ कर देगा लेकिन कर्म नहीं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com